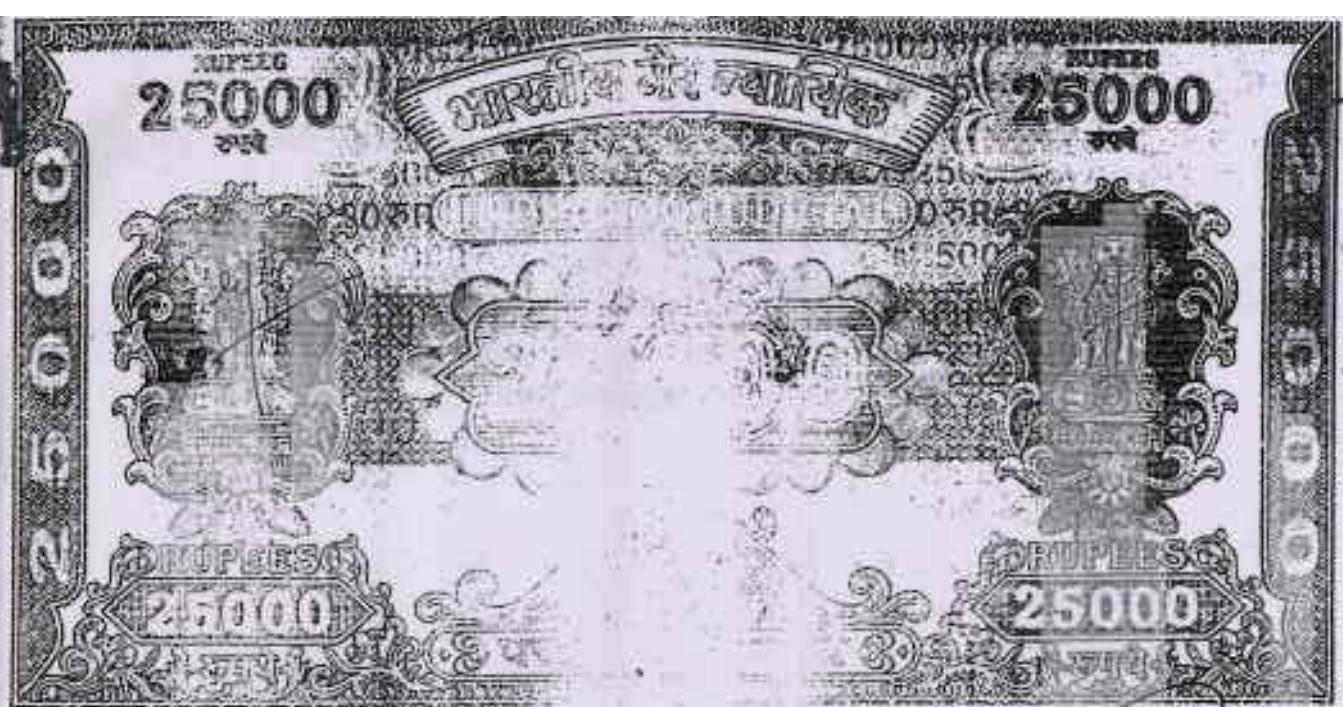




उत्तरांचल UTTARANCHAL

048482

2015 1100/08

स्वाम्य समायोजन

हवन विस्तार
स्वामी

दिनांक 22/7/08

विक्रय अनुबन्ध पत्र

1. अनुबन्ध की कुल धनराशि:- रु0 1,08,52,855-00(एक करोड़ आठ लाख बावन हजार आठ सौ पचपन मात्र)
 2. अग्रिम प्राप्त धनराशि रु0 27,13,400-00(सत्ताईस लाख तेरह हजार चार सौ पचास मात्र)
 3. शेष धनराशि रु0 81,39,455-00(इक्यासी लाख उनतालीस हजार चार सौ पचपन मात्र)
 4. अनुबन्ध पत्र पर अदा स्वाम्य शुल्क रु0 6,78,500-00/-(छ लाख अठहत्तर हजार पांच सौ रुपये मात्र)
- यह विक्रय अनुबन्ध पत्र आज दिनांक 25-03-2008 को स्वाम्य रुझी में

Satendra Kumar Garg



Satendra Kumar Garg



Satendra Kumar Garg



208

दि. 19/3/08 वा. २००००४२७ = 675110/- 500007 = 35

हाथ की मिर्च व नैवेद्य निवेदन लि०

विवाही... हरिद्वार...

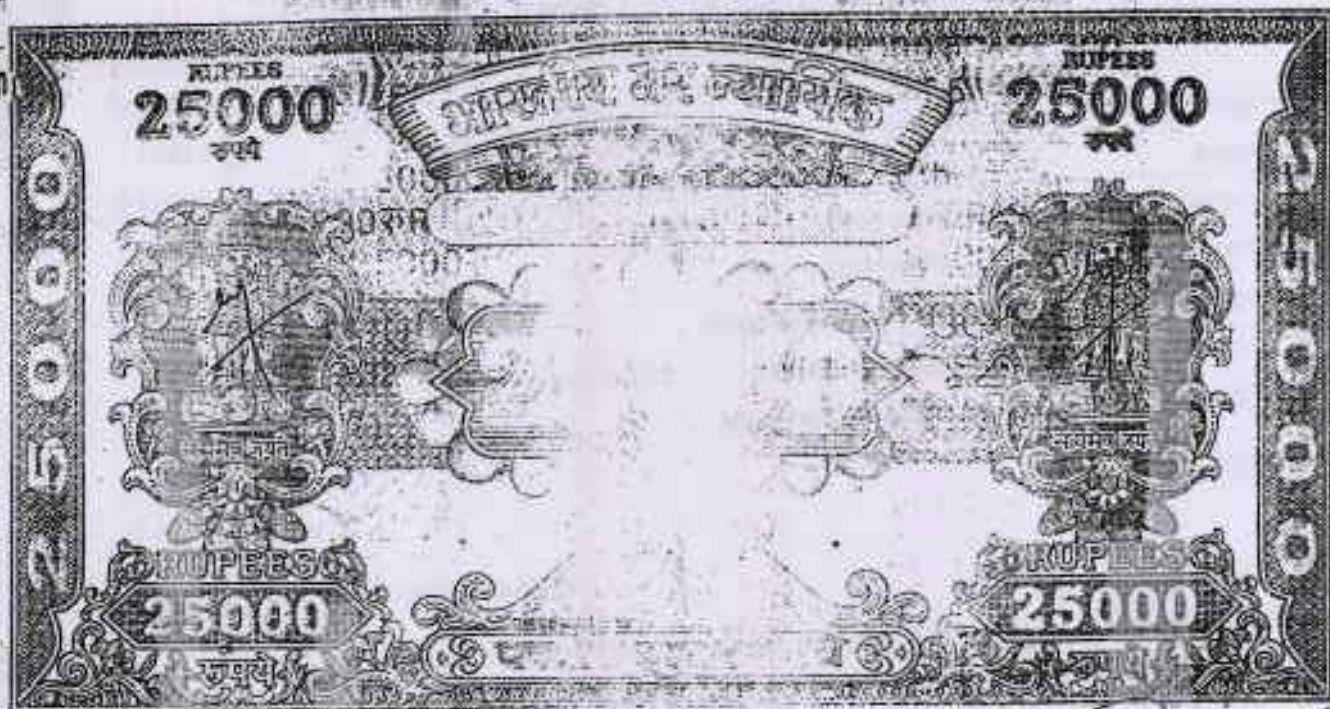
हरिद्वार

19/3/08

ह. न. निवेदन

कोषाध्यक्ष





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048461

4108/08

स्टाम्प समायोजन

सहायक निरीक्षक

रक्षक

दिनांक 22/12/08

-2-

(1) श्री अतुल कुमार पुत्र श्री लोकेन्द पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, (उत्तराखण्ड) तथा (2) मा० अतुल कुमार (आवृ 11 वर्ष) पुत्र श्री लोकेन्द पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार द्वारा अपनी माता एवं प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवस्वती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड) जिसको इस प्रपत्र में प्रथम पक्ष कहकर सम्बोधित किया गया है।

अतुल कुमार

का नर बत्ती

.....प्रथम पक्ष

12/12

208

प्रलेख नः 1,434

AGREEMENT

SALE OF IMMOVABLE PROPERTY WHERE POSSESSION IS NOT ADMITTED TO HAVE BEEN DELIVERED

AGREEMENT NO. 211/2008

रजिस्ट्रेशन फीस	प्रतिलिपि शुल्क	इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग शुल्क	कुल योग
10,000.00	20.00	680.00	10,700.00

श्री/श्रीमती/कुमारी
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री
निवासी
दहियाकी पर0 मंगलौर तह0 रुडकी

ने आज दिनांक 25-Mar-08 12: समय 5:25:07 pm
कार्यालय उप निबन्धक SRO02 ROORKEE

ने प्रस्तुत की।

अतुल कुमार

उपनिबन्धक रुडकी

SRO Roorkee 02

इस लेखपत्र का निष्पादन सुनकर व सभ्यकर व विक्रय धन/अग्रिम धन/नगद रू0 2,713,400.00
लेखानुसार प्राप्ता करके श्री/श्रीमती/कुमारी अतुल कुमारs/o लोकेन्द्र पाल, दहियाकी पर0 मंगलौर तह0 रुडकी/कवरवती(सरक्षिका मा0
अतुल पुत्र लोकेन्द्र पाल)w/o लोकेन्द्र पाल, दहियाकी पर0 मंगलौर तह0 रुडकी

ने स्वीकार किया ।

व सम्पादन श्री/श्रीमती/कुमारी राजेश राधा कृष्णण(द्वारा मिर्के इलेक्ट्रॉनिक्स लि0)s/o पी0आर0नाथर, 158 रायपुर पर0 भगवानपुर तह0

ने किया ।

जिसकी पहचान

श्री लोकेन्द्र पाल सिंह
निवासी दहियाकी पर0 मंगलौर तह0 रुडकी

श्री राजेन्द्र चौधरी
निवासी 423/35 सिविल लाइन्स रुडकी

की।



उपनिबन्धक रुडकी

SRO Roorkee 02

अतुल कुमार

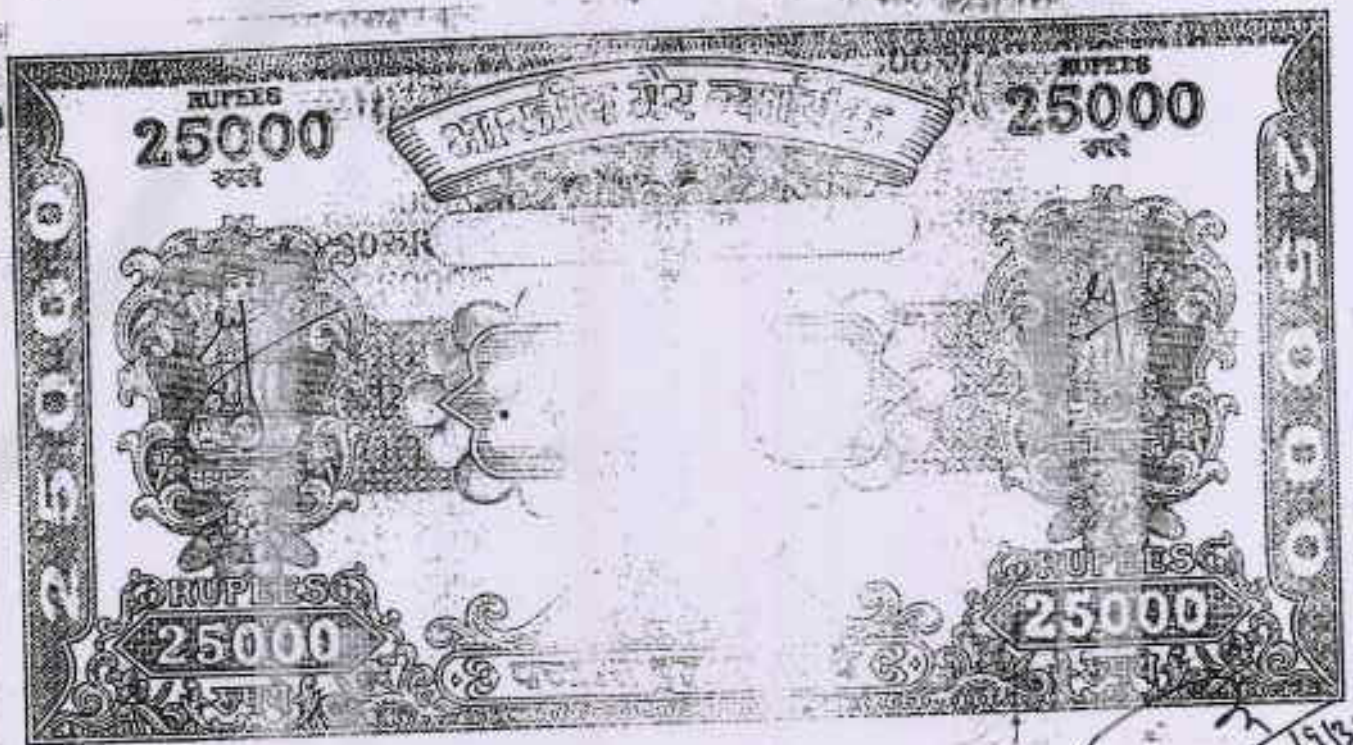
कवरवती



उपनिबन्धक रुडकी

SRO Roorkee 02





15/3/08
04848;

उत्तरांचल UTTARANCHAL

-3-

तथा

31/02/08
स्टाफ सभायोजन

ह. न. वि. वि. वि.

र. व. वि.

दि. 31/02/08

श्रीमती कंवरी वती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द्र पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड) (जिनको इस प्रपत्र में पुष्टिकर्ता कहकर सम्बोधित किया गया है)।

.....पुष्टिकर्ता

वे

मिर्क (MIRC) इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कंपनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत एक विधिवत् पंजीकृत कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ओबिडा हाऊस, जी-1 एम0आई0डी0सी0, महाकाती केन्द रोड, अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई द्वारा अपने अधिकृत

अनुपम कुमार

कंवरी वती

दि. 19/3/08 का नं. 25000/ का स्तं.
दाय की... श्री... का श्री...
विवाही... का वेव...

१९/३/०८
श्री गोकुलदास
श्रीधरदास वरुण





3/5/31/48
04456

उत्तरांचल UTTARANCHAL

1100/08
स्टाम्प समायोजन
सर्व
दिनांक 12/12/21

-4-

प्रतिबिधि श्री राजेश राधा कृष्ण पुत्र श्री पी०आर० नायर, निवासी मर्क इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, बसरा संख्या-158 ग्राम रायपुर परगना भगवानपुर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड (जिनको इस प्रपत्र में द्वितीय पक्ष कहकर सम्बोधित किया गया है) के मध्य अंकित व विष्पादित हुआ।

.....द्वितीय पक्ष

जैसा कि ग्राम मुडियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड) उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम 1953 के अर्जगत कृषि सम्बन्धी जोतों की चकबन्दी के व्यवस्था से आवधिकित हो गया, उक्त अधिनियम की प्राय-27

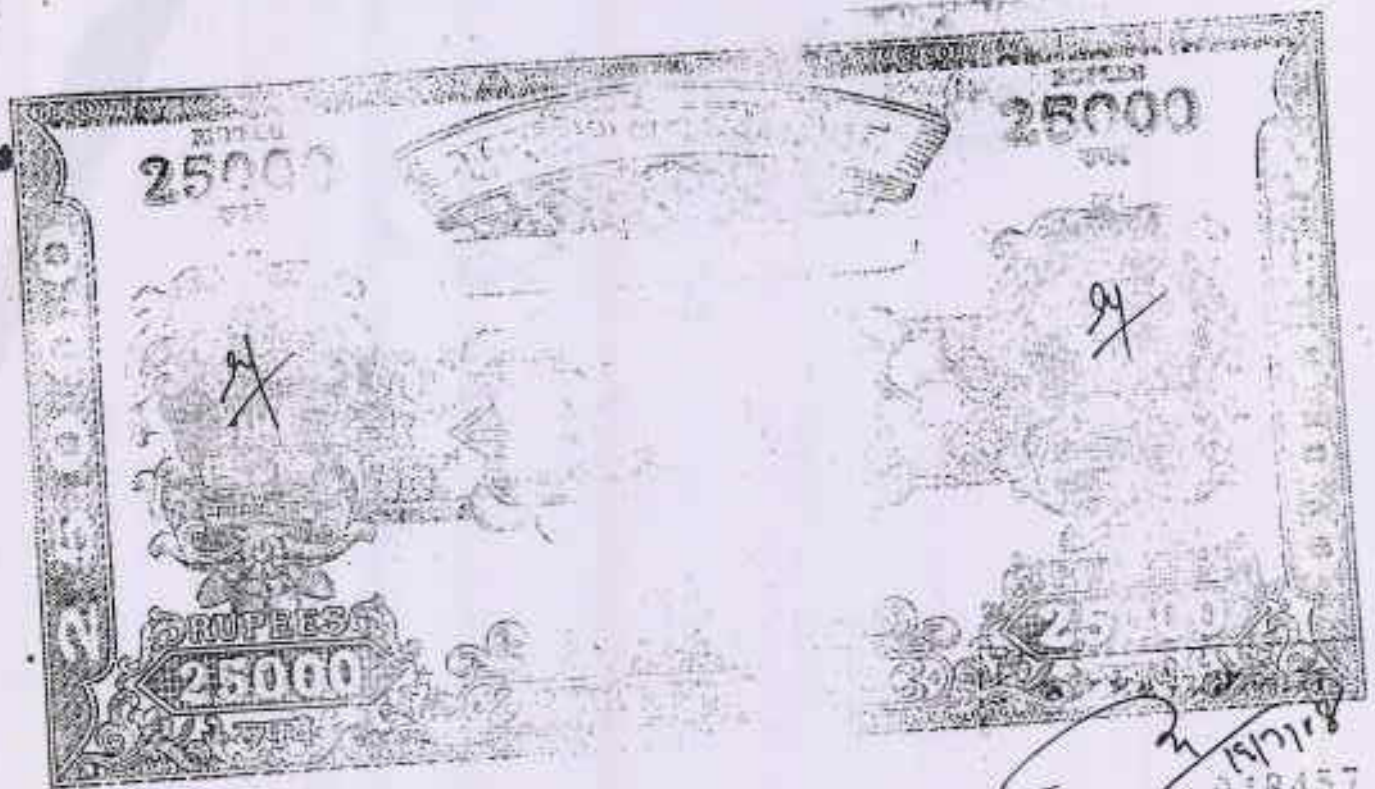
अनुप कुमार

काचरवती

208 14.19/3/00 प. नं. 2571
हाथ नं. 2 पिन को

19/11/08
स. र. कार.
गोवागढ़, 570





उत्तरांचल UTTARANCHAL

-5-

(1) के अर्जागत विधिवत राजस्व अभिलेखों का निर्माण हुआ तथा धारा 27 (2) के अर्जागत उक्त राजस्व अभिलेखों की प्रविष्टियाँ सत्य व एक तथा प्रमाणित मानी जावेगी।

और जैसा कि श्री आशा राम पुत्र श्री छेदू इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति के स्वामी, भूमिधर व अत्यासी रहे है। क्षेत्र में चकबन्दी की व्यवस्था होने पर 1397 फसली में प्रथम चकबन्दी की व्यवस्था हुयी और उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम 1953 की धारा-27 संपटित उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी नियमावली 1954 की धारा 97 के अर्जागत श्री आशा राम पुत्र श्री छेदू का नाम राजस्व अभिलेखों में अंकित हुआ।

और जैसा कि 1397 फसली से पूर्व श्री आशा राम पुत्र श्री छेदू का नाम राजस्व अभिलेखों में अंकित रहा और उनका पुरातन बसरा संख्या-762(मि०) अस्सरा संख्या-768/2 (मि०), बसरा संख्या-769/1 (मि०), बसरा संख्या-770(मि०), बसरा

अनुप. कुमार

कवर वती

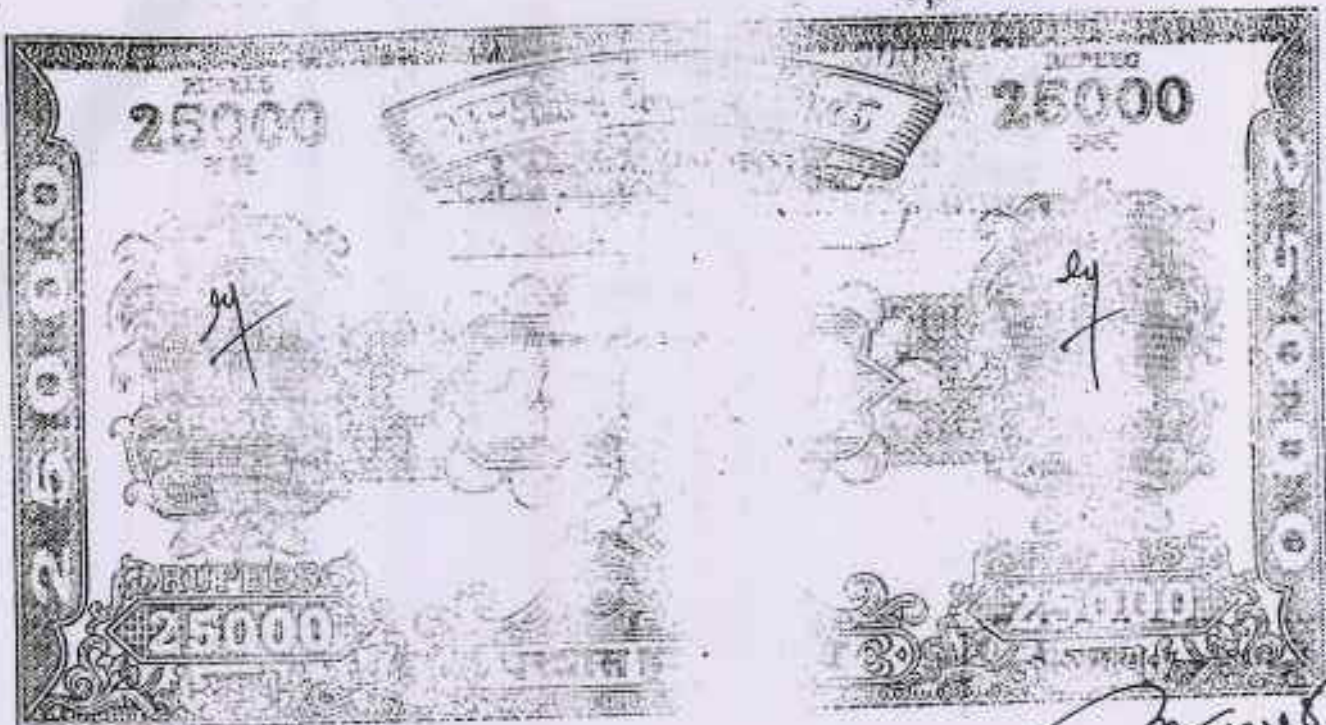
1.2

208

म. 19/3/60/25000
शाम २०
निवासी

म. नागर





उत्तरांचल UTTARANCHAL

-6-

संख्या-772/1(मि०) अंकित रहे और यह परिवर्तित होकर नया खसरा संख्या-400 कि जो इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति के नाम से पहचाने गये तथा पुरातन खसरा संख्या-768/2(मि०), खसरा संख्या-772/1(मि०), खसरा संख्या-772/2(मि०) अंकित रहे और यह परिवर्तित होकर नया खसरा संख्या-401 कि जो इस विलेख की सूची-ख में वर्णित से नाम से पहचाने गये।

और जैसा कि फसली वर्ष 1397 से पूर्व श्री आशा राम पुत्र श्री छेदू का नाम अभिलेखित था। इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति फसली वर्ष 1400-1405 में श्री देव पाल सिंह पुत्र श्री आशा राम के नाम अंकित हुआ तथा इस विलेख की सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति श्री सतीश कुमार पुत्र श्री आशा राम के अंकित हुआ।

और जैसा कि श्री देव पाल सिंह पुत्र श्री आशा राम ने इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति प्रथम पक्ष मास्टर अनुज कुमार पुत्र श्री लोकेन्द पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंजलीर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड अपनी माता एवं प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द कुमार निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंजलीर, तहसील रुड़की,

अनुज कुमार

कंवरवती

11/11/88

208

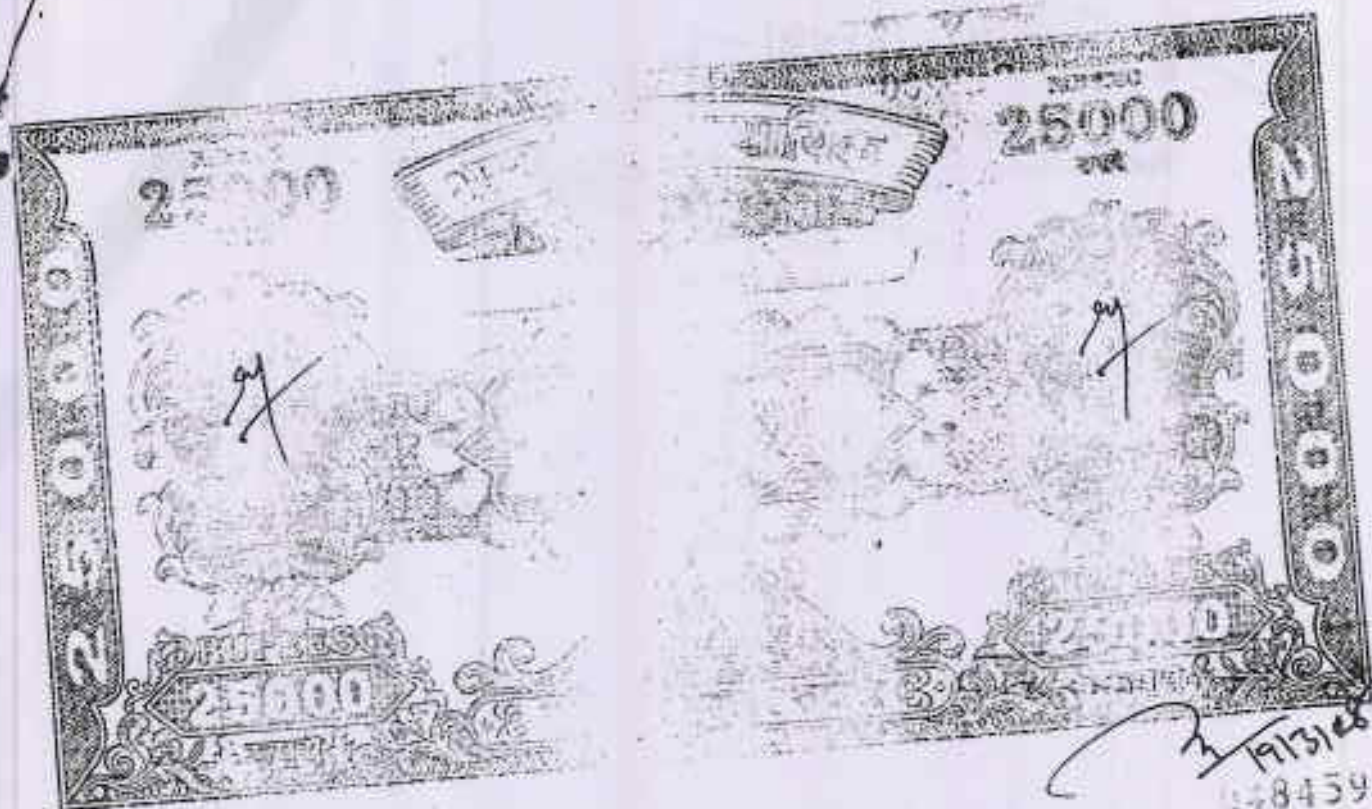
दि. 19/3/08 का. नं. 25009/...

बाप का नाम श्रीमल्ल कृष्ण...

पिता का नाम...

दि. 19/3/08
हस्ताक्षर
हस्ताक्षर





उत्तरांचल UTTARANCHAL

स्टाम्प समायोजन

सहायक निरीक्षक

रुड़की

दिनांक 28/04/2000

-7-

जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड तथा मा10 अतुल कुमार पुत्र श्री लोकेन्द्र पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार द्वारा अपनी माता एवं प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 28-04-2000 के द्वारा विक्रीत कर दी, जिसका पंजीकरण कार्यालय उप-निबंधक रुड़की कार्यालय में बही संख्या-1 जिल्द संख्या- 13 के पृष्ठ संख्या- 338 एडिशनल फाईल बुक संख्या-1 जिल्द संख्या-177 के पृष्ठ संख्या- 179 से 182 पर प्रपत्र संख्या-1193 पर दिनांक 28-04-2000 को पंजीकृत है। फसली वर्ष 1406 से 1411 में प्रथम पक्ष में श्री अनुज कुमार इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति क्रय करते समय अल्पव्यक्त या और वर्तमान में व्यस्त हो गया है और वर्तमान विक्रय अनुबन्ध पत्र पर स्वयं हस्ताक्षर कर रहा है। उपरोक्त विक्रय विलेख के आधार पर प्रथम पक्ष इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति के स्वामी हो गये तथा उनका नाम राजस्व अभिलेखों में विधिवत अभिलेखित है।

अतुल कुमार

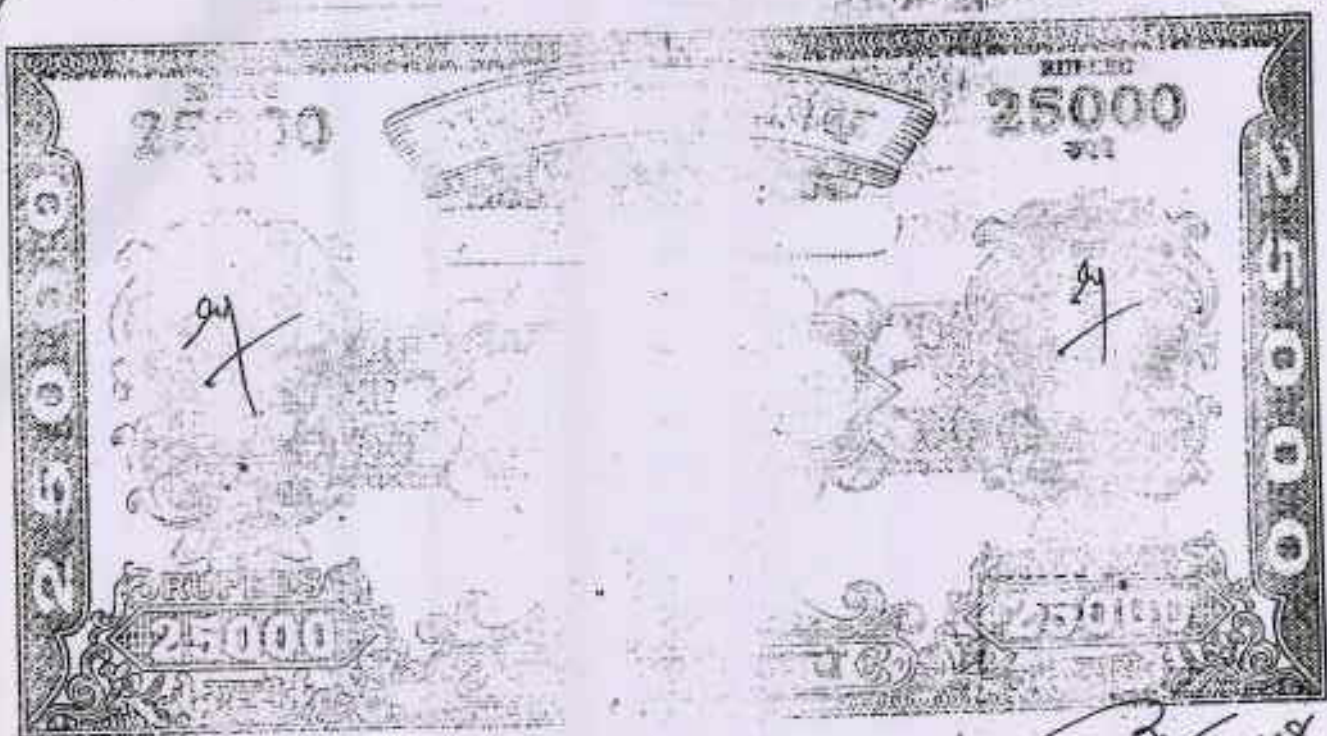
कंवरवती

112

208
No. 1913/08 2500/-
Date 19/12/08
Signature

19/12/08





उत्तरांचल UTTARANCHAL

25/08/98
648160

25/08/98
स्टान्ड बायायोजन

सहायक
पट्टी
दिनांक 25/08/98

-8-

और जैसा कि श्री सतीश कुमार पुत्र श्री आशाराम ने इस विलेख की सूची-अ में वर्णित सम्पत्ति प्रथम पक्ष मास्टर अनुज कुमार पुत्र श्री लोकेन्द्र पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड अपनी माता एवं प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड तथा श्री अतुल कुमार पुत्र श्री लोकेन्द्र पाल निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार द्वारा अपनी माता एवं प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार निवासी ग्राम दहियाकी परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 02-07-1999 के द्वारा विक्रीत कर दी, जिसका पंजीकरण कार्यालय उप-निर्देशक रुड़की कार्यालय में बही संख्या-1, जिल्द संख्या- 13 के पृष्ठ संख्या- 167 एडीशनल फाईल बुक संख्या-1 जिल्द संख्या- 150

अनुज कुमार

कंवरवती

208

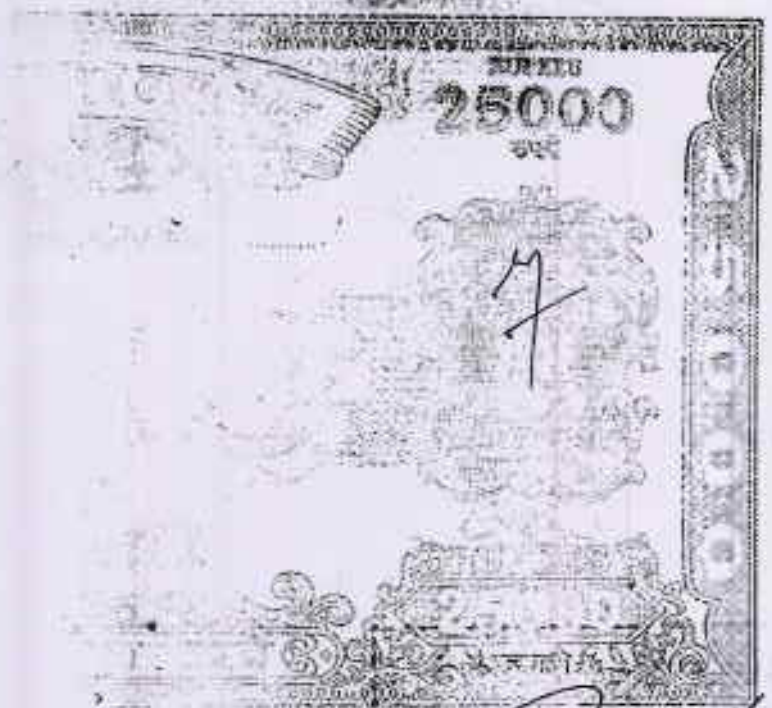
19.19/31.08.25

हाथ में...

विषय...

19/31/08





उत्तरांचल UTTARANCHAL

-9-

के पृष्ठ संख्या- 65 से 68 पर प्रपत्र संख्या-2172 पर दिनांक 02-07-1999 को पंजीकृत है। फसली वर्ष 1406 से 1411 में प्रथम पक्ष में श्री अनुज कुमार इस विलेख की सूची-क में वर्णित सम्पत्ति कय करते समय अत्यधिक या और वर्तमान में व्यवहृत हो गया है और वर्तमान विषय अनुबन्ध पत्र पर स्वयं हस्ताक्षर कर रहे हैं। उपरोक्त विक्रय विलेख के आधार पर प्रथम पक्ष इस विलेख की सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति के स्वामी हो गये तथा उनका नाम राजस्व अभिलेखों में विधिवत अभिलेखित है।

और जैसा कि प्रथम पक्ष के पास बाजार में विक्रय योग्य स्वामित्व है। इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति का स्वामित्व पवित्र है। यह सम्पत्ति किसी स्थान पर बन्धक व घोरेहर नहीं है। इस सम्पत्ति पर कोई भार या अधिभार नहीं है।

और जैसा कि इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति किसी विवाद या वाद से आवृद्धित नहीं है। इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति प्रत्येक प्रकार के विवाद से व न्यायालय के विवाद से मुक्त है।

अनुज कुमार

कावर वती

11

208

दि. 19/3/18. नं. 250001

हाथ की

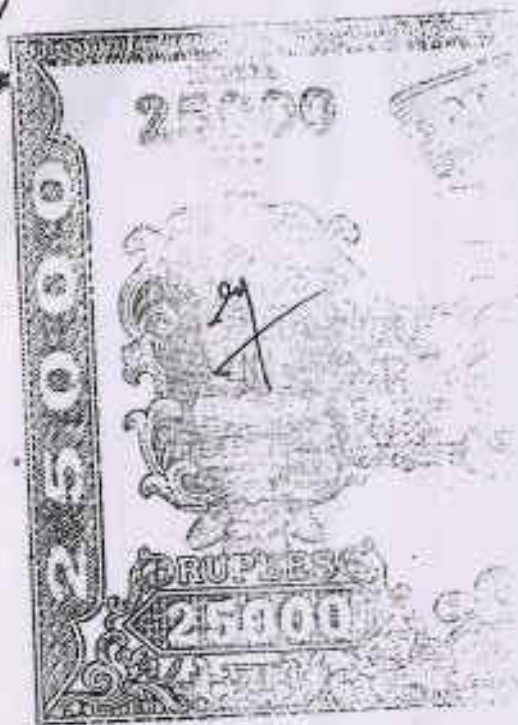
विषयी

प्रमाणित

3/11/18

सं. 18/18





19/11/08
018153

उत्तरांचल UTTARANCHAL

स्टाम्प सहायोजन

स. जस्टिस
को

दिनांक 22/11/08

- 10 -

और जैसा कि इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति राजस्व न्यायालय, व्यवहार न्यायालय या किसी वित्तीय संस्था द्वारा बन्धक व कुड़क नहीं है और यह सम्पत्ति बन्धक व कुड़क रहित है।

और जैसा कि इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति प्रत्येक प्रकार के भार, अधिकार, बन्धन, धरोहर, जिरवी, समिद्धित श्रृण से मुक्त है।

और जैसा कि द्वितीय पक्ष ने इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति पर उत्तराखण्ड शासन नियमानुसार औद्योगिक अध्यान करना है और शासन से विधिवत अनुमति प्राप्त करनी है।

और जैसा कि प्रथम पक्ष यह घोषणा करते हैं कि उन्होंने इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति सम्बन्ध में कोई संविदा या विक्रय का कोई विलेख पंजीकृत या अपंजीकृत संविदा नहीं कर रखा है और न ही किसी अन्य व्यक्ति से मौखिक रूप से या रसीद द्वारा कोई संविदा ही कर रखा है।

अंगुल कुभार

क व रवती

२०८

नं. १५/३/०४ दि. २५००१

राज्य पो. प्रा. नि. क. व.
विभागी

१५/५/०४





048464

उत्तरांचल UTTARANCHAL

31/08/08
स्टाम्प समायोजन
सबरजिस्ट्रार
दिवीक. 22/08/08

-11-

और जैसा कि इस विलेख की सूची-क व सूची-अ में वर्णित सम्पत्ति में पुष्टिकर्ता श्रीमती कंवरवती, प्रथम पक्ष पुत्रों की एकमात्र माता है तथा उनकी प्राकृतिक संरक्षिका प्रारम्भ से रही है तथा प्रथम पक्ष में मा० अतुल कुमार की अभी संरक्षिका बली आ रही है। वर्तमान विक्रय अनुबन्ध पत्र अत्यव्यस्यक के हित में तथा लाभार्थ, उसकी प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार के माध्यम से किया जा रहा है। प्रथम पक्ष यह भी वचन देते हैं कि वह अनुसूचित जाति व जनजाति नहीं है और प्रथम पक्ष का स्वामित्व स्पष्ट व पवित्र है।

और जैसा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रथम पक्ष को किसी न्यायालय किसी न्यायालय या किसी अधिकारी से किसी भी तरह की अनुमति की आवश्यकता सम्पत्ति विक्रय करने से पूर्व होती है, तो उस अनुमति को प्राप्त करने की पूर्ण जिम्मेदारी प्रथम पक्ष की होगी तथा अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त प्रथम पक्ष उसके सम्बन्ध में पंजीकृत पावती के द्वारा द्वितीय

अतुल कुमार कंवरवती

31/08/08

२०८

त. ११/३.०८ या व. २५०७/०८

दाय श्री... शांतिकुमार पुत्र/पुत्री श्री...

विवाही...

११/३/०८
कोटागढ़ पंचायत





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048465

-12-

4102/08
स्टांप सत्यापन
शिव राजेश्वरी
दिनांक 22/7/08

पक्ष को सूचित करने के लिये पूर्ण जिम्मेदार होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि द्वितीय पक्ष ने शासन से सम्पत्ति कय करने की अनुमति प्राप्त करवी है। इस अनुमति के प्राप्त करने में प्रथम पक्ष पूर्ण रूप से सहयोग करेगा।

और जैसा कि प्रथम पक्ष ने, द्वितीय पक्ष से सम्पर्क साधा है कि वह इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति को अंकन रु० 1,08,52,855-00 (एक करोड़ आठ लाख बावब हजार आठ सौ पचपन मात्र) जिसके आधे रु० 54,26,427-50 (बखान लाख छन्नीस हजार चार सौ सत्ताईस रुपये पचास पैसे मात्र) की वनराशि में कय कर ले और द्वितीय पक्ष ने उक्त प्रतिफल में उक्त सम्पत्ति को कय किया जाना स्वीकार किया है।

अतः यह विक्रय अनुबन्ध-पत्र निम्न दर्शाता है :-

- 1- यह कि प्रथम पक्ष, द्वितीय पक्ष को, इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति, पुष्टिकर्ता के साक्ष्य में व उपस्थिति में, तथा पुष्टिकर्ता के दायित्व पर, दायित्व रहित अंकन रु० 1,08,52,855-00 (एक करोड़ आठ लाख बावब हजार आठ सौ पचपन मात्र) की वनराशि में विक्रीत करेगे और द्वितीय पक्ष कय करेगे। द्वितीय

अनुप कुमार-

कदर वती

200

दि. 19/3/88 का र. 250000/-

बाब की प्रमाणित की गई है

विषय की

19/3/88
नियमित
कोषाध्यक्ष





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048466

-13-

पक्ष ने प्रथम पक्ष को अंकन रु0 27,13,400-00(सत्ताईस लाख तेरह हजार चार सौ पचास मात्र) की धनराशि अग्रिम धनराशि के रूप में समर्पित कर दी है, जिसको प्रथम पक्ष स्वीकार करता है तथा शेष धनराशि अंकन रु0 81,39,455-00(इक्यासी लाख उनतालीस हजार चार सौ पचपन मात्र) विक्रय पत्र के समव प्राप्त करने पर धनराशि प्रथम पक्ष ने निम्नानुसार प्राप्त की है :-

क- अंकन रु0 13,56,700-00(तेरह लाख छपन हजार सात सौ मात्र) रुपये द्वारा बैंक ड्राफ्ट संख्या-000693 दिनांकित 19-03-2008 वाले बैंक एचडी0एफ0सी0 रुड़की जिला हरिद्वार पर आहरित है। यह ड्राफ्ट श्री अनुज कुमार के नाम जारी किया जा रहा है।

अनुज कुमार कीवृत्ती

21/08/08
स्थापक समिति

17

208
दि. 19/3/08 का सं. 25000/

हाथ की ...
विषय ...

15/3/08
संसाधन ...





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048467

-14-

ख- अंकन रु0 13,56,700-00(तीस लाख छपस हजार सात सौ मात्र) रुपये द्वारा बैंक ड्राफ्ट संख्या-000694 दिनांकित 19-03-2008 वास्ते बैंक एच0डी0एफ0सी0 रुडकी जिला हरिद्वार पर आहरित है। यह ड्राफ्ट श्रीमति कंवरवती के नाम जारी किया जा रहा है।

ग- यह कि विक्रय पत्र कराने की अन्तिम तिथि दोनों पक्षों द्वारा 24 सितम्बर 2008 तय हुई है, और यदि प्रथम पक्ष को प्राप्त की नयी अग्रिम धनराशि से अतिरिक्त धन की आवश्यकता पड़ती है तो द्वितीय पक्ष से कुल धनराशि का 25 प्रतिशत आज की तिथि से तीन माह बाद प्राप्त करेगा, और द्वितीय पक्ष देने के लिये पाबन्द रहेगा।

2- यह कि विक्रय अनुबन्धन पत्र की शर्तों के अनुसार विक्रय विलेख पत्र कराने की अन्तिम तिथि 24 सितम्बर 2008 तय हुई है।

अनुप कुमार

कंवरवती

31/08/08
स्टाम्प सहायक

जिला

208

दि. 19/3/01 का र. 25000/-

राज्य की शासक शासक शासक

विभागीय शासक शासक शासक

15/3/01
कोषाध्यक्ष, दूर





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048468

-15-

- 3- यह कि इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति को विक्रय करने-कराने की समवाधि, द्वितीय पक्ष को शासन द्वारा अनुमति प्राप्त होने के एक माह के अन्दर होनी तय पायी है। अनुमति के उपरान्त तथा विक्रय विलेख अर्जित व निष्पादित कले समय प्रथम पक्ष को शेष विक्रय प्रतीफल अंकन रु0 81,39,455-00 (इक्यासी लाख अठ्तालीस हजार चार सौ पचपन मात्र) समर्पित किया जायेगा। इस विलेख की सूची-क व ख में वर्णित सम्पत्ति का वास्तविक अध्यासन विक्रय विलेख के पंजीकरण के समय ही प्रथम पक्ष द्वारा द्वितीय पक्ष को सौंप दिया जायेगा तथा द्वितीय पक्ष को इस विलेख सूची-क व ख में वर्णित सम्पत्ति पर आरुढ़ कर दिया जावेगा।
- 4- यह कि विक्रय विलेख पर होने वाला समस्त व्यय द्वितीय पक्ष वहन करेगा।

अनुप कुमार का सर वली

50th 31st/08

स्टाम्प समायोजन

208

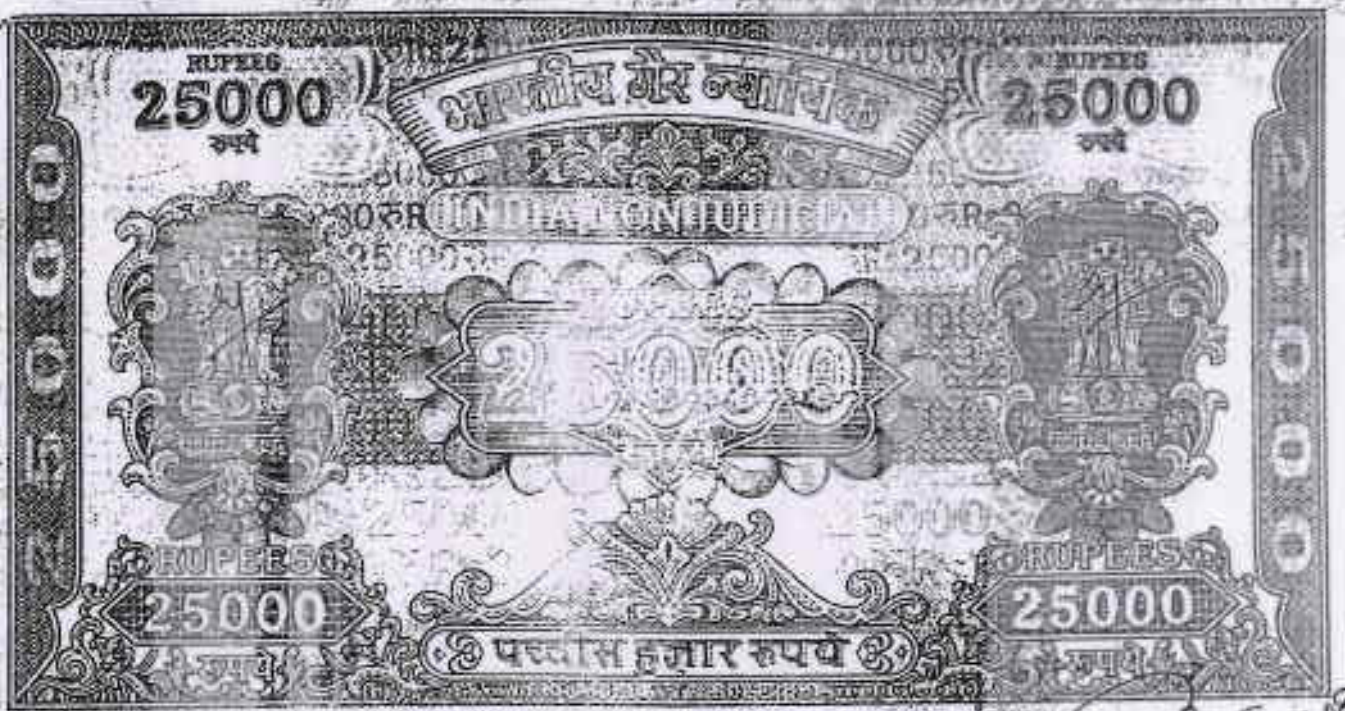
दि. 19/3/08 का नं. 250701 का रसीद

हाथ की 21/11/07 का नं. 250701 का रसीद

मिथारी

19/3/08
उप नं. 250701
सोपासार नमूने





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048469

-16-

- 5- यह कि द्वितीय पक्ष को अधिकार प्राप्त है कि वह विक्रय विलेख अपने नाम अंकित व निष्पादित करा ले या अपने मनोनित व्यक्ति के नाम अंकित व निष्पादित करा ले।
- 6- यह कि पुष्पिका श्रीमती कंवरवती, प्रथम पक्ष पुरुषों की एकमात्र माता है तथा उनकी प्राकृतिक संरक्षिका प्रारम्भ से रही है तथा प्रथम पक्ष में ना० अतुल कुमार की अभी संरक्षिका चली आ रही है। वर्तमान विक्रय अनुबन्ध पत्र अत्यवश्यक के हित में तथा लाभार्थ, उसकी प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती कंवरवती धर्मपाली श्री लोकेन्द कुमार के माध्यम से किया जा रहा है।
- 7- यह कि प्रथम पक्ष को किसी कार्यालय किसी न्यायालय या किसी अधिकारी से किसी भी तरह की अनुमति की आवश्यकता सम्पत्ति विक्रय करने से पूर्व होती है, तो उस अनुमति को प्राप्त करने की पूर्ण जिम्मेदारी प्रथम पक्ष की होगी तथा अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त प्रथम पक्ष उसके हस्ताक्षर में पंजीकृत पावती के द्वारा द्वितीय पक्ष को सूचित करने के लिये पूर्ण जिम्मेदार

अतुल कुमार
दिनांक 31/08/2018

कंवर वती

208

दि. 19/3/08 का नं. 25879/ का रजि.

हाथ की पुस्तक को

विषय की सेवा

19/3/08
मुख्य नरसिंह
बोहाणा नरसिंह





उत्तरांचल UTTARANCHAL

048470

-17-

होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि द्वितीय पक्ष ने शासन से सम्पत्ति कब्जा करने की अनुमति प्राप्त करनी है। इस अनुमति के प्राप्त करने में प्रथम पक्ष पूर्ण रूप से सहयोग करेगा।

- 8- यह कि वर्तमान संविदे के दौरान प्रथम पक्ष इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति को भार रक्षित रखेगा तथा अध्यासन को सुरक्षित रखेगा तथा स्वामित्व को सुरक्षित रखेगा। उपरोक्त काल में किसी तृतीय पक्ष का भार न ही सृजित करेगा और न ही सृजित होने देगा। प्रथम पक्ष यह घोषणा करता है कि वह इस विलेख की सूची-क व सूची-ख में वर्णित सम्पत्ति के शान्तिपूर्ण अध्यासन में है और इसके अध्यासन व स्वामित्व की सुरक्षा विकल्प विलेख होने तक प्रथम पक्ष की है।
- 9- यह कि द्वितीय पक्ष ने औद्योगिक उत्थान व भूमि कब्जा करने हेतु, उत्तराखण्ड शासन से, उत्तर प्रदेश जमींदारी विभागा एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950 (व्यासंशोधित उत्तरांचल अधिनियम संख्या-29 वर्ष 2003) तथा उत्तरांचल

अनुपम कुमार
31/08/00
सहाय्य समायोजन

कवर वली

11/2

208

दि. 19/3/07 का नं. 250701

हाथ की प्रमाणित प्रतिलिपि

मि. श्री. ... का पता

19/7/08
उप निर्देशक
कोटाबाद नगर

